

तितलम्; evellere, eruere. RAGH. 4. 36.: वज्रान्  
उत्खाय ... नैसाधनोद्धतान् । निचखान जयस्थ-  
म्भान् गङ्गश्रोतोऽन्तरेषु सः; *ubi* उत्खन् *effodere op-*  
*ponitur verbo* निखन् *infodere, defodere, hīc infodiendo*  
*erigere; Schol. Calc.* उत्खाय *explicat per उत्पाद्य-*

c. उत् प्राef. प्र *id.* RAM. I. 32. 40.: प्रोत्खनन्त एकैक-  
योजनम् भूमेः.

c. नि *infodere, defodere.* HIT. 124. 16.: निखन्यन्ते ह-  
दये शोकशङ्खः; RAGH. 4. 36.; v. खन् प्राef. उत्.

खनक *m.* (r. खन् *s.* अक) fossor. R. Schl. I. 12. 7.

खनन *n.* (r. खन् *s.* अन) actio fodiendi. BHAR. 3. 76.

खनि *f.* (r. खन् *s.* इ) fodina, cuniculus. RAGH. 17. 66. 18.

21. (Lat. *cuni-culus*.)

खनितृ *m.* (r. खन् *s.* तृ) fossor. HIT. 52. 8.

खनित्र *n.* (r. खन् *s.* त्र) ligo. HIT. 30. 1.

खम्ब 1. *P.* (गतौ) ire; cf. गम्ब, घम्ब, चम्ब.

खर *Adj.* 1) calidus, fervidus. 2) acer, vehemens, austerus.

RAGH. 8. 9.: न खरो न भूयसा मृडुः; *de voce*, R. Schl.

II. 20. 42. - *Subst.* 1) *m. n.* calor. AM. 2) *m.* asinus.

खर्ज 1. *P.* (मार्जने *κ.* व्यथामृजोः *ν.*) purificare, abster-  
gere; vexare, v. कर्ज. (Hib. *cairtim* vel *cartaim* pu-  
rifico.)

खर्जर *m.* palma. Wils. «Phoenix or Elate sylve-  
stris». N. 12. 5.

खर्द 1. *P.* (दशने) mordere. (Cf. खण्ड, खड्, lith. *kandu*  
mordeo.)

खर्ब 1. *P.* (गतौ) ire. (Cf. गर्ब, घर्ब, चर्ब; germ. vet.  
*HVWARB, HVWARP* reverti, *hwirbu, hwarb, hwur-*  
*bumēs*; goth. *bi-hwairba* circumeo.)

खर्ब *n.* billio. MAH. 2. 1749.

खर्व 1. *P.* (दर्पे *κ.* गर्वे *ν.*) superbum esse; v. कर्व et  
गर्व.

खल् 1. *P.* (चलने *κ.* चाले चये *ν.*) se movere; colligere;  
cf. चल.

खल malus, vilis, improbus. HIT. 52. 3. 70. 19.

खलु 1) sane, profecto, *ad orationis vim augendam ponitur*,

*praesertim post voces negativas vel interrogativas.* SAK.

5. 15. 16.: भो राजन् आश्रममृगः खल्व् अयम् । न खलु  
न खलु वाणः सन्निपात्योऽयम् अस्मिन् *ja nicht! ja*

*nicht!*; RAGH. 9. 28.: न खलु तावत् अशेषम् अपोहि-  
तम् रविर अलम् विरलम् कृतवान् हिमम्; Lass.

1. 3.: प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः; N. 16. 22.:  
कदा नु खलु उःखस्य पारं यास्यति वै शुभा *wann*

*doch?*; SAK. 23. 15.: किङ् खलु; 44. 2. *infr.*: क्वा खलु;  
59. 14.: कथम् ... खलु. 2) *enim, praesertim antecedente*

*n.* SAK. 26. 5.: मन्दौत्सुख्योऽस्मि नगरागमनम् प्रति  
... न खलु शक्तोऽस्मि शकुन्तलादर्शनव्यापाराद् आ-

त्मानम् निवर्तयितुम्; RAGH. 3. 51.: गृहाण शस्त्रम् ...  
न खल्व् अनिर्गित्य खड्गं कृतो भवान्. 3) खल्व्

अपि *sed etiam, antecedente* न केवलम्. RAGH. 18. 48.

खलुङ्ग *m.* (N. खलुङ्ग, ut videtur, e *ख* et *लुङ्ग*, a *र. लुङ्ग* lae-

dere, occidere) obscuritas, caligo. (Cf. lat. *caligo*.)

खलिष्ट calvus.

खलीष्ट *id.*

खल्लाट *id.* BHAR. 2. 86., v. Bohlen ad h. l. (Cf. lat. *cal-*  
*vus*, nostrum *kahl*, germ. vet. *chalawan* capillo nudare.)

खव् 9. *P.* खवामि vel खौनामि vel खुनामि (भूतिप्रा-  
उर्भावे *κ.* भूतिपूत्योर उत्पत्तौ *ν.*) potentem, feli-  
cem fieri; purificari.

खष् 1. *P.* (वधे) occidere, ferire; cf. कष्, चष्, कृष्,  
जष्, जुष्, कष्, कृष्.

खाण्डवप्रस्थ *m.* nomen urbis. MAH. 1. 2264.

खान्त *n.* (r. खन् *q. v. s.* त) fossa. HIT. 90. 14.

खाद् 1. *P.* edere, *praesertim de animalibus.* HIT. 11. 6.:  
व्याघ्रो मानुषङ्गं खादति; *etiam de hominibus.* HIT.

86. 13.: किङ् खादितवान् कथम् वा प्रसुप्तः - *Caus.*

खादयामि. MAN. 8. 371.: तां श्वभिः खादयेद् राजा.  
(Scot. *cuid* cibus; hib. *caithim* edo.)

खानि *m. f.* (r. खन् *s.* इ) cuniculus, specus subfossus; v.  
खनि.

खिट् 1. *P.* (भयभीषयोः) timere, terrere. (V. आखेट, खेट  
et cf. खिद्.)